19/6/25

पत्रा० पेश हुई। दावा अदम-पैरवी अदम-हाजिरी में खारिज किया जा चुका है। अतः प्रा० पत्र 21२ का कोई औचित्य नहीं है। अतः प्रा० पत्र 21२ RTA इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रा० फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Ganga Dhar Meena
Date: 2025.07.16 16:09:57 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner